इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1526

22 अगस्त, 2013 को उत्तर के लिए

देश में इस्पात की खपत में कमी

1526. श्री मोहम्मद अली खान:

श्रीमती टी. रत्नाबाई:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में लौह अयस्क के घरेलू उत्पादन और इस्पात की खपत के हिस्से में कमी हो रही है और आयात के हिस्से में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो विगत चार वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) हमारे देश के बाजार एवं उपभोक्ताओं पर ऐसी स्थिति का क्या प्रभाव पड़ा है; और

(घ) देश में इसका वास्तविक उत्पादन एवं इसकी मांग क्या है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): विगत चार वर्षों के दौरान लौह अयस्क का घरेलू उत्पादन, कुल फिनिश्ड स्टील (एलॉय+नॉन-एलॉय) की वास्तविक खपत और आयात के आंकड़े नीचे दिए गए हैं जिनसे यह पता चलता है कि लौह अयस्क के घरेलू उत्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति रही है तथा कुल फिनिश्ड स्टील की वास्तविक खपत और उसके आयात में वृद्धि की प्रवृत्ति रही है।

मद		यूनिट: मिलियन टन			
		2009-10	2010-11	2011-12	2012-13***
लौह अयस्क का उत्पादन*		219	208	167	145
कुल फिनिश्ड स्टील **	वास्तविक खपत	59.34	66.42	71.02	73.33
	आयात	7.38	6.66	6.86	7.87

स्रोत: *भारतीय खान ब्यूरो **संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) *** अनंतिम

(ग) स्टील एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। स्टील का आयात और निर्यात कई कारकों पर आधारित बाजार संचालित व्यावसायिक गतिविधियां हैं। स्टील का आयात मुख्यतया देश में स्टील की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर को पूरा करने के लिए किया जा रहा है। उस सीमा तक आयातों से घरेलू मूल्यों को स्थिर रखने में मदद मिलेगी और अल्पावधि में उपभोक्ताओं के लिए भी सहायक होगा। तथापि, आयात का घरेलू स्टील उत्पादकों पर हानिकर प्रभाव भी है, इससे उनके बाजार हिस्से में कटौती होती है, घरेलू मूल्यों पर दबाव बनता है और परिणामत: उद्योग का लाभ कम हो जाता है तथा दीर्घावधिक वृद्धि की संभावनाएं क्षीण हो जाती हैं।

(घ) विगत 3 वर्षों के दौरान देश में वास्तविक उत्पादन और मांग का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	कुल फिनिश्ड स्टील (अलॉय+नॉन अलॉय) (एमटी)	
	बिक्री के लिए उत्पादन	वास्तविक खपत
2010-11	68.62	66.42
2011-12	75.70	71.02
2012-13*	77.62	73.33
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) * अनंतिम		

****